PRESS CLIPPINGS

EQUATOR
Full Circle MPR Consulting

Region: Bangalore

Client : Bangalore Nano
Lead : Bangalore Nano Inauguration 2008
Publication : Dakshin Bharat
Date : 14th Dec, 2008
Section : Bangalore / Pg - 384
Method : conference

दक्षिण भारत राष्ट्रमत, बेंगलूर, रविवार 14 दिसम्बर 2008 3

'ग्रामीण जरूरतों को ध्यान में रखकर नैनो तकनीक व

उपराष्ट्रपति ने वैज्ञानिकों से भारतीय जरूरतों के अनुरूप शोध एवं विकास कार्य कर

बेंगलूर, 13 दिसंबर। उप राष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अन्सारी ने आज बेंगलूर के वैज्ञानिक समुदाय के साथ हुई बातचीत के दौरान ध्यान दिलाया कि नैनो तकनीक देश के ग्रामीण गरीबों के जीवन में क्रान्तिकारी बदलाव ला सकती है। यहां आयोजित 'बेंगलूर नैनो' सम्मेलन के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी आजीविका के लिए खेतीबाड़ी पर निर्भर है। इस क्षेत्र की उत्पादकता बढाने के लिए नैनो तकनीक की संभावनाओं का पूर्ण दोहन करने की कोशिश की जानी चाहिए। नैनो तकनीक जीवन के कई क्षेत्रों में बेहतरी कर सकती है। इनमें ऐरोस्पेस से लेकर रक्षा तथा लघु कलाओं के क्षेत्र भी शामिल हैं। इस तकनीक का समाज पर सूचना प्रौद्योगिकी या जैव तकनीक की अपेक्षा अधिक असर पड़ सकता है। बहरहाल, वैज्ञानिकों को सबसे पहले इस तकनीक की मदद से स्वच्छ ऊर्जा, शुद्ध पेयजल, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ ही किफायती आवास के प्रावधान करने के लिए नैनो तकनीक के प्रयोगों को तराशें।

वैश्विक स्तर पर नैनो तकनीक के प्रयोगों का संदर्भ लेते हुए उन्होंने कहा कि इस समय अधिकांशतः नैनो तकनीक का प्रयोग मात्र विकसित देशों के नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। भारतीय वैज्ञानिकों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे इस तकनीक का प्रयोग देश की गरीब जनता को ध्यान में रखते हुए करें। इसके साथ ही उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि शासन, अकादमिक क्रियाकलापों तथा उद्योग जगत के विकास से सीधे तौर पर जुड़े लोगों को लोक स्वास्थ्य तथा नागरिकों की सुरक्षा का महत्व पूरी तरह से समझने की जरूरत है। नैनो तकनीक का प्रयोग तथा विकास करते समय पर्यावरण संरक्षण के मामलों को भी ध्यान में रखे जाने की जरूरत को उन्होंने रेखांकित किया।

बेंगलूर में शनिवार को उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, राज्यपाल रामेश्वर ठाकुर राज्य के गृहमंत्री डॉ वीएस आचार्य और प्रो. सीएसआर राव दूसरे बेंगलूर नैनो–2008 का उद्घाटन करते हुए।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि वैज्ञानिक तथा तकनीकी शोध एवं विकास कार्यों के लिए सार्वजनिक फंडिंग तभी की जानी चाहिए जब उन विशेष शोध परियोजनाओं से व्यापक लोकहित साधे जाने तथा संपूर्ण देश के आर्थिक विकास की गारंटी मिले।

इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत में नैनो तकनीक को नई ऊंचाइयां देने वाले अग्रणी वैज्ञानिक तथा भारतीय प्रधानमंत्री के विज्ञान सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. सीएनआर राव ने कहा कि नैनो तकनीक के क्षेत्र में चीन ने काफी तेजी से प्रगति की है। यह अब अमेरिका तथा जापान के साथ भी नैनो डिजाइनिंग के मामले में टक्कर लेने में सक्षम हो चुका है। कई मामलों में तो चीन को अमेरिका तथा जापान जैसे तकनीकी रूप से परिपक्व देशों से भी आगे माना जा सकता है।

भारत … क्षेत्र में … सकता … 25 व… सकारा… 'भारत … संबंधित … यानी … रखता … सकता … प्रतिभा… करने व… के युवा … क्योंकि … उलझा … क… सम्मेल… क्षेत्र का … डॉलर … दस वर्ष … करने … मुताबि… के लिए … ज्ञान वा… होगा। … (रिच) …

ग्रामीण जरूरतों को ध्यान में रखकर....

पृष्ठ 3 का शेष

पर लाभप्रद होगा।' उल्लेखनीय है कि रिच कार्यक्रम का आयोजन बेंगलूर नैनो सम्मेलन के तहत किया जा रहा है। इसमें युवा उद्यमियों को आसमान की ऊंचाईयों तक पहुंचने का रास्ता मिल सकता है।

सम्मेलन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के मानद वैज्ञानिक तथा प्रोफेसर दीपांकर चक्रवर्ती को बेंगलूर नैनो नेशनल अवार्ड–2008 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें नैनो मेटेरियल का प्रयोग निर्माण क्षेत्र के उद्योगों में करने की तकनीक विकसित करने पर मिला। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सरकार लगातार दूसरे वर्ष बेंगलूर नैनो सम्मेलन का प्रायोजन कर रही है। इस सम्मेलन को वैश्विक नैनो तकनीक कम्पनियों और वैज्ञानिकों के एक मंच के रूप में विकसित करना राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है। इस वर्ष बेंगलूर नैनो के दूसरे संस्करण के दौरान नैनो तकनीक को भारत के भविष्य के रूप में सामने रखा गया है। गौरतलब है कि पूरी दुनिया में उद्योग जगत और विभिन्न अर्थतंत्रों का चेहरा बदलने में नैनो तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।